PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – पत्थरचट्टा (Bryophyllum pinnatum)

सामान्य नाम (Common Name): पत्थरचट्टा, पत्तेदार गोखरू, Air Plant, Life Plant

वनस्पतिक नाम (Botanical Name): *Bryophyllum pinnatum* (Synonym: *Kalanchoe pinnata*)

कुल का नाम (Family): Crassulaceae

🌿 पौधे का स्वभाव (Nature / Habit)

- यह एक **बहुवर्षीय, रसयुक्त (succulent) पौधा** है।
- **पत्तियाँ:** मांसल, हरी, अंडाकार और किनारों पर छोटे अंकुर (plantlets) होते हैं।
- **विशेषता:** पत्तियों के किनारों पर छोटे पौधे (plantlets) बनते हैं, जो आसानी से जमीन में लगाकर नए पौधे उगाए जा सकते हैं।
- **फूल:** गुच्छों में लाल-गुलाबी या बैंगनी रंग के ट्यूबीय फूल।
- **ऊँचाई:** 30–60 सेंटीमीटर।
- यह पौधा **सूखी और गर्म जलवायु** में भी बढ़ सकता है।

🌸 पौधे की प्रकृति (Growth Features)

गुण	विवरण
जीवनकाल	बहुवर्षीय (Perennial)
ऊँचाई	30–60 सेमी
फूलने का समय	गर्मियों और वर्षा ऋतु
फूलों का रंग	लाल-गुलाबी या बैंगनी
मिट्टी	जल निकासी वाली, दोमट या रेतीली मिट्टी
धूप की आवश्यकता	आंशिक या पूर्ण सूर्य
जल की आवश्यकता	कम; सूखा सहनशील

🌿 उपयोग (Uses)

1. सजावटी उपयोग (Ornamental Use)

- छोटे गमलों और बगीचों में लगाया जाता है।
- इसके मांसल और हरे पत्ते सजावटी रूप से आकर्षक होते हैं।

2. पर्यावरणीय उपयोग (Environmental Use)

- यह पौधा **जलवायु सहनशील** और **सूखा सहनशील** है।

- बागवानी में मिट्टी की रक्षा और पर्यावरणीय संतुलन में मदद करता है।

💊 औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)

Bryophyllum pinnatum आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में बहुत उपयोगी है।

🌿 1. घाव और जलन में

- पत्तियों का रस **घाव, कट, जलन और फोड़े** पर लगाया जाता है।
- यह **सूजन और संक्रमण** को कम करता है।

🌿 2. सांस संबंधी रोगों में

- इसका रस **खांसी, अस्थमा और जुकाम** में राहत देता है।

🌿 3. मूत्र और गुर्दे संबंधी उपयोग

- पत्तियों का रस **मूत्रवर्धक (diuretic)** है।
- गुर्दे की पथरी और मूत्र संबंधी समस्याओं में लाभकारी।

🌿 4. हृदय और रक्तचाप

- इसके अर्क का उपयोग **रक्तचाप नियंत्रित करने** और हृदय स्वास्थ्य के लिए किया जाता है।

🌿 5. दस्त और पेट रोग

- पत्तियों का रस **दस्त, अपच और आंत संबंधी संक्रमण** में लाभकारी।

🌿 6. सक्रिय यौगिक (Active Compounds)

- Flavonoids, Alkaloids, Glycosides, Saponins, Phenolics

⚠️ सावधानी (Precautions)

- अत्यधिक सेवन से **पेट दर्द, दस्त या मतली** हो सकती है।
- गर्भवती महिलाओं को **आंतरिक सेवन से बचना चाहिए**।
- बाहरी उपयोग में आमतौर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं।